चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	2.03.25	2	1-6

The Tribune

Science imperative to make India developed & self-reliant, says VC

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, MARCH 1

A programme on the topic "Harnessing Science for a Self-reliant and Sustainable Viksit Bharat-2047" was organised on the occasion of National Science Day at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Hisar, on Friday. Vice-Chancellor BR Kamboj was the chief guest, while Dr Devender Kumar, former Professor, Dean (Academic Affairs) and Nodal Officer (National Education Policy-2020), Guru Jambheshwar University of Science and Technology, was the keynote speaker at the event.

This programme was organised jointly by HAU Science Forum, Institution Innovation Council (IIC) and Vigyan Bharti, Hisar. The Vice-Chancellor, in his address, said science and technology would play an important role in making India a developed nation. He said it was important to use science and innovation in the right direction to ensure self-reliance and sustainable development. For this, researchers and scientists would have to work in coordination with each other, he said, adding that teachers played an important role in awakening curiosity and enthusiasm for science in students.

The VC said students should take inspiration from the life of Nobel Prize winner CV Raman, in whose honour National Science Day was celebrated every year.

Dr Kumar, highlighting the New Education Policy, said there was a need to work by focusing on knowledge, research and innovation. He gave information about new courses as part of the programme. He said technology could make a significant contribution in the field of education.

He said it was is India-centric, and focussed on all-round development, holistic education, skill development, employment generation to foster a knowledge-based society.

Quiz, model and poster competitions were organised for students at the school and college level.

Vice-Chancellor BR Kamboj during the exhibition.

THE WINNERS

- **QUIZ COMPETITION (SCHOOL)**
  1st: Gungaya and Armaan
  2nd: Siya and Anshul Negi
  3rd: Nihal and Muskan Kejriwal
- **QUIZ COMPETITION (COLLEGE)**
  1st: Renuka and Rakesh
  2nd: Harsh and Kartik
  3rd: Anisha and Nitya
- **MODEL COMPETITION (SCHOOL)**
  1st: Rohit and Janvi
  2nd: Suhani, Anshika and Ahaan
  3rd: Diwanshu and Daksh
- **MODEL COMPETITION (COLLEGE)**
  1st: Ekta, Komal and Usha
  2nd: Vanshika, Namrita and Anshu
  3rd: Khushboo, Dharna and Kanishka
- **POSTER COMPETITION (SCHOOL)**
  1st : Kangana
  2nd: Tanvi
  3rd: Ritika Saini
- **POSTER COMPETITION (COLLEGE)**
  1st: Rushali
  2nd: Rupali
  3rd: Ritik Yadav

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2.03.25	6	1-3

फसल विविधीकरण को अपना कृषि उत्पादन में करें बढ़ोतरी : प्रो. काम्बोज

किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों के बारे में अवगत कराया

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रोनोमी विभाग द्वारा सतत फसल उत्पादन में सस्य विज्ञान की भूमिका विषय पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से अवगत करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों और मृदा स्वास्थ्य सुधार के दृष्टिगत जैविक खेती की विधियों के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। खरपतवार, कीट व रोग नियंत्रण के

हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी।

बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने एग्रोनॉमी विभाग के रिसर्च फॉर्म में गेहूं, सरसों, चना सहित विभिन्न रबी सीजन की फसलों पर चल रहे विभिन्न प्रयोगों का निरीक्षण किया व नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध की प्रगति के बारे में जानकारी ली। विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. दादरवाल ने बैठक में आए हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया। मंच संचालन डॉ. प्रवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल यादव सहित अन्य सस्य वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	2.03.25	8	1-4

हकृवि के एग्रोनोमी रिसर्च फार्म पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

फसल विविधीकरण से कृषि उत्पादन में होगी बढ़ोतरी : काम्बोज

हिसार, 1 मार्च (हप्र)

हिसार में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी। -हप

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रोनोमी विभाग द्वारा शनिवार को सतत फसल उत्पादन में सस्य विज्ञान की भूमिका विषय पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहें।

इस दौरान उन्होंने ने वैज्ञानिकों से किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से अवगत करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों तथा मृदा स्वास्थ्य सुधार के दृष्टिगत जैविक खेती की विधियों के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। खरपतवार, कीट व रोग नियंत्रण के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने एग्रोनॉमी विभाग के रिसर्च फॉर्म में गेहूं, सरसों, चना सहित विभिन्न रबी सीजन की फसलों पर चल रहे विभिन्न प्रयोगों का निरीक्षण किया व नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उपरोक्त फसलों से संबंधित प्रयोगों के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश और विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने विभाग के शोध प्रक्षेत्र परिसर में पौधरोपण भी किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राज़बीर गर्ग ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण, नवीनतम तकनीकों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. दादरवाल ने बैठक में आए हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया। मंच संचालन डॉ. प्रवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल यादव सहित अन्य सस्य वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2.07.25	4	1-4

फसल विविधिकरण अपनाएं किसान : कुलपति

- हकृवि के एग्रोनोमी रिसर्च फार्म पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित
- विभागों को आपसी तालमेल से कार्य करने की दी हिदायत

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रोनोमी विभाग द्वारा सतत फसल उत्पादन में सस्य विज्ञान की भूमिका विषय पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से अवगत करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों तथा मृदा स्वास्थ्य सुधार के दृष्टिगत जैविक खेती की विधियों के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। फसल विविधिकरण को अपनाकर किसान अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। खरपतवार, कीट व रोग नियंत्रण के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने एग्रोनमी विभाग के रिसर्च फार्म में गेहूं, सरसों, चना सहित विभिन्न रबी सीजन की फसलों पर चल रहे विभिन्न प्रयोगों का निरीक्षण किया व नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उपरोक्त फसलों से संबंधित प्रयोगों के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की भी हिदायत दी। कम हो रही जोत के दृष्टिगत वैज्ञानिकों को अधिक उत्पादन देने वाली फसलों के लिए और अधिक काम करना होगा। उन्होंने विभाग के शोध प्रक्षेत्र परिसर में पौधरोपण भी किया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ वैज्ञानिक व अन्य अधिकारी • पीआरओ

निदेशक गर्ग ने नवीनतम तकनीकों पर डाला प्रकाश

अनुसंधान के निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण, नवीनतम तकनीकों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डा. संजय ठकराल ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। डा. दादरवाल ने बैठक में आए हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डा. प्रवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डा. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डा. अनिल यादव ने भी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.03.25	2	7-8

फसल विविधीकरण से किसान कर सकते हैं पैदावार में बढ़ोतरी

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी। स्रोत : संस्थान

हिसार। एचएयू में एग्रोनोमी विभाग द्वारा सतत फसल उत्पादन में सस्य विज्ञान की भूमिका विषय पर खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. कांबोज ने वैज्ञानिकों से किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से अवगत करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों और मृदा स्वास्थ्य सुधार के दृष्टिगत जैविक खेती की विधियों के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। खरपतवार, कीट व रोग नियंत्रण के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए।

उन्होंने एग्रोनॉमी विभाग के रिसर्च फॉर्म में गेहूं, सरसों, चना सहित विभिन्न रबी सीजन की फसलों पर चल रहे विभिन्न प्रयोगों का निरीक्षण किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	2.03.25	9	5-8

किसानों को जागरूक करें वैज्ञानिक : प्रो. काम्बोज

- फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान कृषि उत्पादन में कर सकते हैं बढ़ोतरी
- हकृवि के एग्रोनोमी रिसर्च फार्म पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी।

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से अवगत करवाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि किसानों को कंम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों तथा मृदा स्वास्थ्य सुधार के दृष्टिगत जैविक खेती की विधियों के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। प्रो. बीआर काम्बोज शनिवार को एचएयू में एग्रोनोमी विभाग की ओर से सतत फसल उत्पादन में सस्य विज्ञान की भूमिका विषय पर आयोजित खेत दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। खरपतवार, कीट व रोग नियंत्रण के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने एग्रोनॉमी विभाग के रिसर्च फॉर्म में गेहूं, सरसों, चना सहित विभिन्न रबी सीजन की फसलों पर चल रहे विभिन्न प्रयोगों का निरीक्षण किया व नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उपरोक्त फसलों से संबंधित प्रयोगों के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की भी हिदायत दी।

जानकारी दी

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण, नवीनतम तकनीकों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. दादरवाल ने बैठक में आए हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया। मंच संचालन डॉ. प्रवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डॉ. अमिल यादव सहित अन्य सस्य वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	2-03-25	5	1-3

फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान कृषि उत्पादन में कर सकते हैं बढ़ोतरी : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ वैज्ञानिक व अन्य अधिकारी।

हकृवि के एग्रोनोमी रिसर्च फार्म पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 1 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रोनोमी विभाग द्वारा सतत फसल उत्पादन में सस्य विज्ञान की भूमिका विषय पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से अवगत करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों तथा मृदा स्वास्थ्य सुधार के दृष्टिगत जैविक खेती की विधियों के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। खरपतवार, कीट व रोग नियंत्रण के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने एग्रोनॉमी विभाग के रिसर्च फॉर्म में गेहूं, सरसों, चना सहित विभिन्न रबी सीजन की फसलों पर चल रहे विभिन्न प्रयोगों का निरीक्षण किया व नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उपरोक्त फसलों से संबंधित प्रयोगों के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की भी हिदायत दी। कम हो रही जोत के दृष्टिगत वैज्ञानिकों को अधिक उत्पादन देने वाली फसलों के लिए और अधिक काम करना होगा।

उन्होंने विभाग के शोध प्रक्षेत्र परिसर में पौधरोपण भी किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण, नवीनतम तकनीकों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. दादरवाल ने बैठक में आए हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया। मंच संचालन डॉ. प्रवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल यादव सहित अन्य सस्य वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2.03.25	3	6-8

फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान कृषि उत्पादन में कर सकते हैं बढ़ोतरी: प्रो. काम्बोज

हकृवि के एग्रोनोमी रिसर्च फार्म पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 1 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रोनोमी विभाग द्वारा सतत फसल उत्पादन में सस्य विज्ञान की भूमिका विषय पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से अवगत करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों तथा मृदा स्वास्थ्य सुधार के दृष्टिगत जैविक खेती की विधियों के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। खरपतवार, कीट व रोग नियंत्रण के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए।

उन्होंने एग्रोनॉमी विभाग के रिसर्च फॉर्म में गेहूं, सरसों, चना सहित विभिन्न रबी सीजन की फसलों पर चल रहे विभिन्न प्रयोगों का निरीक्षण किया व नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने उपरोक्त फसलों से संबंधित प्रयोगो के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की भी हिदायत दी। कम हो रही जोत के दृष्टिगत वैज्ञानिकों को अधिक उत्पादन देने वाली फसलों के लिए और अधिक काम करना होगा। उन्होंने विभाग के शोध प्रक्षेत्र परिसर में पौधरोपण भी किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण, नवीनतम तकनीकों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. दादरवाल ने बैठक में आए हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया।

मंच संचालन डॉ. प्रवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल यादव सहित अन्य सस्य वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	02.03.25	--	--

हकृवि में खेत दिवस कार्यक्रम करवाया

कुलपति बोले, फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान कृषि उत्पादन में कर सकते हैं बढ़ोतरी

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार,1 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रोनोमी विभाग द्वारा सतत फसल उत्पादन में सस्य विज्ञान की भूमिका विषय पर खेत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों से किसानों को उन्नत किस्म के बीजों, जैव उर्वरकों एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों से अवगत करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों तथा मृदा स्वास्थ्य सुधार के दृष्टिगत जैविक खेती की विधियों के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपने कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। खरपतवार, कीट व रोग नियंत्रण के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने एग्रोनॉमी विभाग के रिसर्च फॉर्म में गेहूं, सरसों, चना सहित विभिन्न रबी सीजन की फसलों पर चल रहे विभिन्न प्रयोगों का निरीक्षण किया व नवीनतम तकनीकों पर चल रहे शोध की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उपरोक्त फसलों से संबंधित प्रयोगों के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की भी हिदायत दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण, नवीनतम तकनीकों सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डा. संजय ठकराल ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। डा. दादरवाल ने बैठक में आए हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद किया। मंच संचालन डा. प्रवीन कुमार ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव, दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डा. अनिल यादव सहित अन्य सस्य वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया।

इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी।